भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 156885

बिक्री	—	3,80,750 / –
मालियत	—	1,01,025 / –
देय स्टाम्प	—	19,700 / –

विक्रेतागण व क्रेता अनुसूचित जाति के है।

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 पाँच हजार रुपये

Rs.5000 FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D-156880

(2)

लेखपत्र का संक्षिप्त विवरण –

1. भूमि का प्रकार	:	कृषि
2. परगना व तहसील	:	मोहनलालगंज
3. स्थित ग्राम	:	पहाड़नगर टिकरिया
4. सम्पत्ति का विवरण	:	भूमि खसरा [illegible] कुल रकबा 0.4490 हे0 का 3/5 भाग यानी विक्रीत रकबा 0.2694 हे0।
5. मापन की ईकाई	:	हेक्टेयर
6. संपत्ति का क्षेत्रफल	:	कुल 0.2694 हे0।
7. सड़क की स्थिति	:	सुल्तानपुर रोड व अमर शहीद पथ से लगभग 200मी0 से अधिक दूरी पर
8. प्रतिफल की धनराशि	:	3,93,750/–

क्र० संख्या 1523

स्टाम्प विक्रय की तिथि ....

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ....

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता ....

....

स्टाम्प की धनराशि ....

मो० आसिफ सिद्दीकी (स्टाम्प विक्रेता)

लाइसेंस नम्बर 20/03

लाइसेंस की अवधि 31-3-2010

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 Rs.5000

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH D 156878

(3)

9. पेड़ों की सं० : नहीं है।
10. बोरिंग / नलकूप : बोरिंग / [illegible]

चौहद्दी खसरा नं0 7

पूरब	—	भूमि खसरा नं0 67
पश्चिम	—	भूमि खसरा नं0 6
उत्तर	—	भूमि खसरा नं0 6
दक्षिण	—	भूमि खसरा नं0 50

प्रथम पक्ष की संख्या 03 विक्रेतागणों का विवरण	द्वितीय पक्ष की संख्या–01 क्रेता का विवरण
1. राम 2. [illegible] 3. [illegible] पुत्रगण [illegible] निवासीगण [illegible] पुरवा मजरा — [illegible] परगना व तह0 मोहनलालगंज जिला लखनऊ	रामलखन पुत्र [illegible] निवासी ग्राम [illegible] परगना बिजनौर तहसील व जिला लखनऊ

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000 पाँच हजार रुपये

Rs.5000 FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 158872

(4)

विक्रय–पत्र

यह कि हम विक्रेतागण 1. रामा 2. जगेसर 3. रामेश्वर पुत्रगण रामचरन निवासीगण लछिमनपुरवा मजरा बकास परग० व तह० मोहन लाल गंज लखनऊ (विक्रेतागण) हैं। इसी आराजी भूमि खसरा नं० 7 कुल रकबा 0.4460 हे० का 3/5 भाग यानी विक्रीत रकबा 0.2604 हे० स्थित ग्राम पहाड़नगर टिकरिया परगना व तहसील मोहन लाल गंज जनपद लखनऊ के मालिक कामिल व काबिज हैं। उपरोक्त सत्यापित खतौनी क्र० सं० 00193 के अनुसार विक्रेतागणों का नाम संक्रमणीय भूमिधर के नाम से दर्ज है। उक्त भूमि विक्रेतागणों की पैतृक सम्पत्ति है। और विक्रेतागणों को वरासतन प्राप्त हुई है। विक्रेतागण व क्रेता अनुसूचित जाति के हैं। उक्त भूमि राजस्व अभिलेखों में संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है। जो कि समस्त प्रकार के ऋण, भार व विवाद से पाक व साफ है। विक्रयशुदा भूमि पर मलकुंआ नहीं है। विक्रीत भूमि सड़क से 200मी० से अधिक दूरी पर स्थित है।

विक्रीत भूमि राजमार्ग, रिंगमार्ग, व बाइपास के किनारे स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि विशिष्ट ग्राम के अन्तर्गत कृषि योग्य भूमि है। जो कृषि प्रयोग हेतु प्रयुक्त की जा रही है। उक्त भूमि हर प्रकार के विवादों, भारों, अजकिराया रेहान, बन्धक, इकरार, कुर्की, जमानत, हिबा, आदि से पूर्णतया पाक साफ है। जिसको विक्रय करने का पूर्ण मालिकाना अधिकार हम विक्रेतागण को प्राप्त है। चूंकि हम विक्रेतागणों को रुपयों की आवश्यकता है। अतः अपनी रजामन्दी से बिना जोर दबाव नाजायज के उजाला दोनों हाथ से उपरोक्त आराजी नम्बरी व पैमाइशी को बाजारी मूल्य रुपये 3,93,750/- (रु0 तीन लाख तिरानबे हजार सात सौ पचास मात्र) जिसके आधे 1,96,875/- होते हैं। बदस्त रामलखन पुत्र बैजनाथ ग्राम बिजनौर तहसील व जिला लखनऊ को विक्रय कर दिया है। और कब्जा व दखल मालिकाना आज की तारीख से करा दिया अब हमारा विक्रीत आराजी से कोई वास्ता सरोकार नहीं रहा क्रेता उक्त भूमि को दाखिल खारिज में अपना नाम करवा लेवें। हमारे वारिसानों को कोई उजर न है और न हमारे वारिसानों को कोई उजर भविष्य में होगा और अगर किसी व्यक्ति की दावेदारी से कुल जुज भाग कैसा ही खुदकाश्त या हकदारी से विक्रीत का कुल जुज भाग क्रेता उपरोक्त के कब्जे से किसी भी समय निकले या कब्जा न मिले या मिल्कियत या हकीयत विक्रेतागण की कदर न पाई जाय या अन्य किसी प्रकार से उपरोक्त भूमि के कागजात विवादित निकले तो ऐसी हालत सूरतों में क्रेता उपरोक्त को हक व अधिकार होगा कि वह अपने द्वारा दिया गया कुल रुपया मय हर्जे-खर्चे व नुकसान सहित हमसे व हमारे वारिसानों व कायम मुकामान की जात व जायदाद से न्यायालय द्वारा वसूल कर लेवें। विक्रेतागणों को कोई नुकसान ... और भूमि आज की तारीख से क्रेता उपरोक्त को अधिकार होगा कि वह उपरोक्त विक्रीत भूमि को समस्त सरकारी अभिलेखों में जहां जरूरी अपने नाम दर्ज करा लेवें विक्रेतागण को कोई आपत्ति नहीं होगी।

विक्रीत भूमि किसी राष्ट्रीय मार्ग, जनपदीय मार्ग, लिंकमार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि मुख्य मार्ग सुल्तानपुर रोड व अमर शहीद पथ से लगभग 200मी0 से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रीत भूमि में कोई कुआं या इमारत आदि नहीं है। इस भूमि पर ट्यूबवेल/नलकूप नहीं है। विक्रीत भूमि ग्राम पहाड़ नगर टिकरिया प0 व तह0 मोहन लाल गंज जिला लखनऊ में स्थित है। जो कि विशिष्ट ग्राम में आता है। विक्रीत भूमि का कुल क्षे0 0.2804 हे0 है। जिसकी मालियत श्रीमान जिलाधिकारी महोदय लखनऊ द्वारा सर्किल रेट से बजारू मूल्य रूपये 3,75,000/- प्रति हे0 की दर से निर्धारित है। विक्रीत भूमि की कुल बजारू मालियत 1,01,025 है। चूंकि विक्रय मूल्य मालियत से अधिक है इसलिए विक्रय मूल्य पर नियमानुसार 5 प्रतिशत की दर से रू0 19,700/- के स्टाम्प अदा किये जा रहे हैं। क्रेता व विक्रेतागणों के मध्य पूर्व में कोई इकरार नामा पंजीकृत नहीं किया गया है उक्त भूमि पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं है। विक्रेतागणों व क्रेता का स्थायी पता दस्तावेजानुसार है। विक्रीत भूमि लखनऊ विकास प्राधिकरण या उ0प्र0 आवास विकास परिषद की किसी भी योजना में अधिग्रहीत नहीं की गई है। लिहाजा यह बैनामा रूबरू गवाहान खूब सोच समझकर बिना किसी जोर जबरदस्ती व सबक होशो हवास के निष्पादन कर दिया ताकि सनद रहे और वक्त जरूरत पर काम आवे तथा क्रेता ने भी अपने हस्ताक्षर करके बैनामा का निष्पादन किया।

विवरण भूमि विक्रीशुदा

आराजी भूमि खसरा नं0 7 कुल रकबा 0.4480 हे0 का 3/6 भाग यानी विक्रीत रकबा 0.2804 हे0। स्थित ग्राम पहाड़नगर टिकरिया परगना व तहसील – मोहन लाल गंज जनपद लखनऊ

तफसील वसूलयाबी जरसमन

विक्रेता नं०– 1 ने क्रेता से रु० 1,31,250/– (रु० एक लाख इकतीस हजार दो सौ पचास मात्र) चेक सं० 237003 दिनांकित 28/07/2008 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज लखनऊ।

विक्रेता नं०– 2 ने क्रेता से रु० 1,31,250/– (रु० एक लाख इकतीस हजार दो सौ पचास मात्र) चेक सं० 237004 दिनांकित 28/07/2008 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज लखनऊ।

विक्रेता नं० 3 ने क्रेता से रु० 1,31,250/– (रु० एक लाख इकतीस हजार दो सौ पचास मात्र) चेक सं० 237005 दिनांकित 28/07/2008 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजरतगंज लखनऊ। द्वारा प्राप्त कर लिया है। अब कोई भी धन राशि विक्रीत आराजी की सम्बन्धित क्रेता से पाना शेष नहीं है।

लखनऊ

दिनांक :–28/07/2008

हृ० विक्रेतागण
(1) [illegible]
(2) [illegible]
(3) [illegible]

गवाह नं. – 1 [illegible]

गवाह नं – 2
J.K. Tiwari
S/o [illegible]
[illegible]

हृ० क्रेता
(1) [illegible]

टाईपकर्ता
[illegible]
(सीमा)
तह० मोहनलालगंज लखनऊ

मसविदाकर्ता [illegible]
(श्री मुन्नीलाल)
एडवोकेट [illegible]

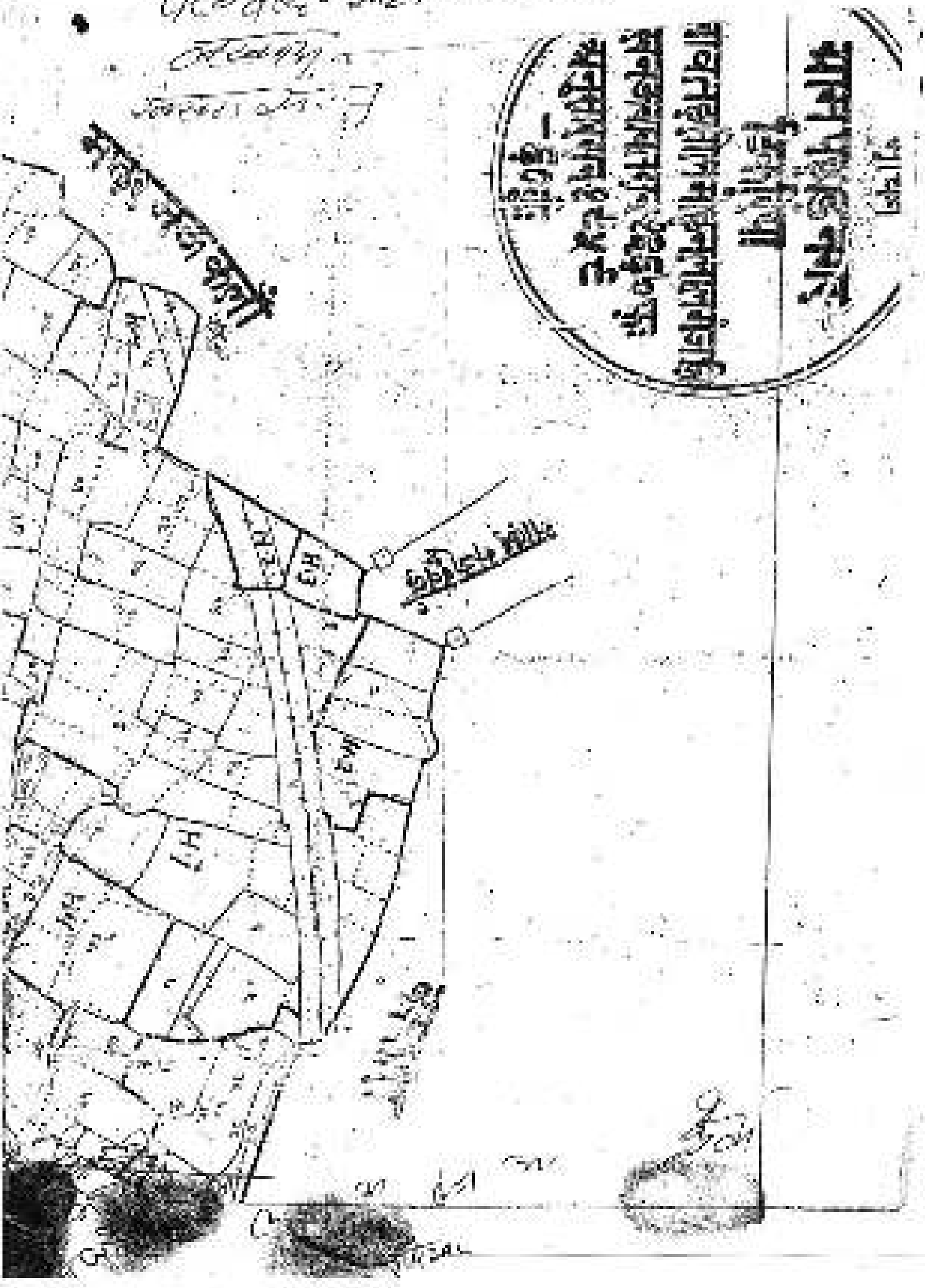

रजिस्ट्रेशन अधिनियम - 1908 की धारा 32 - ए, के अनुपालन हेतु

फिंगर्स प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता

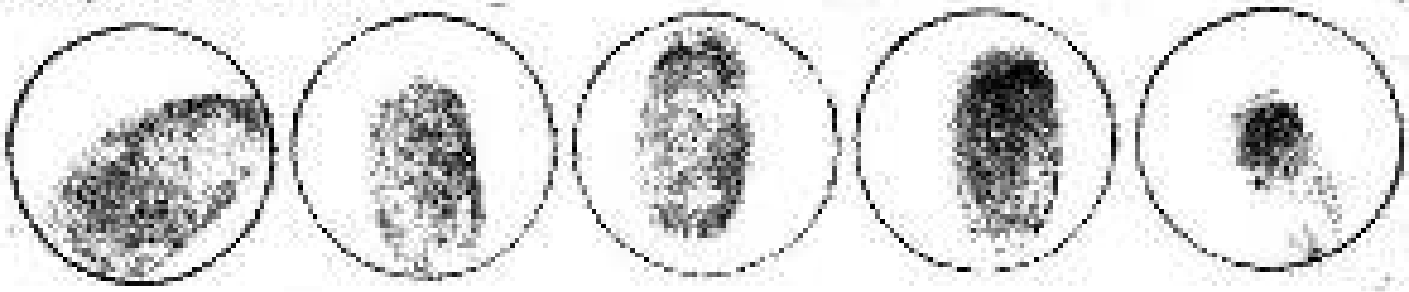

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

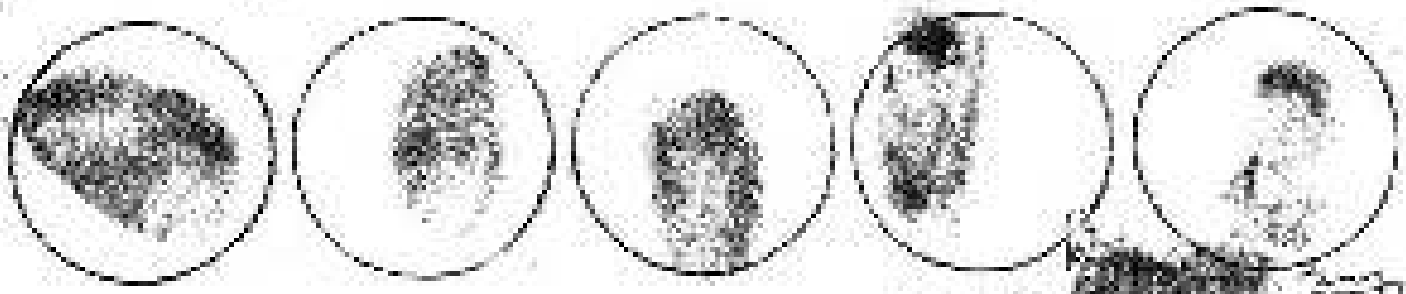

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

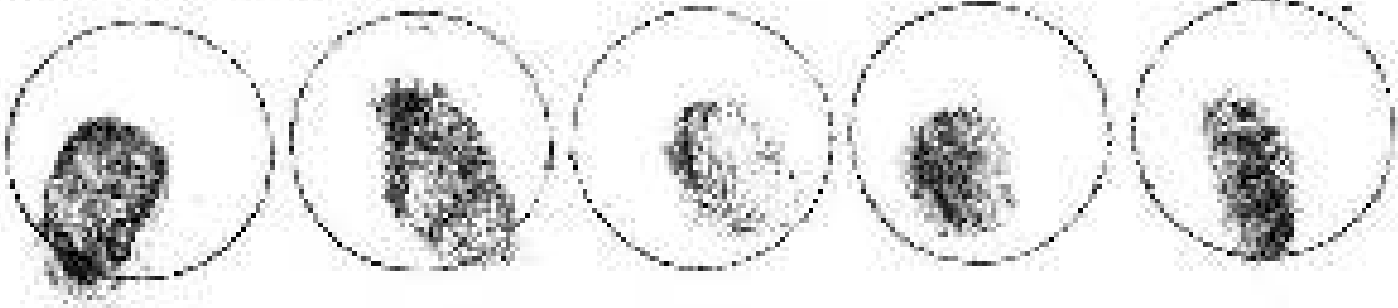

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

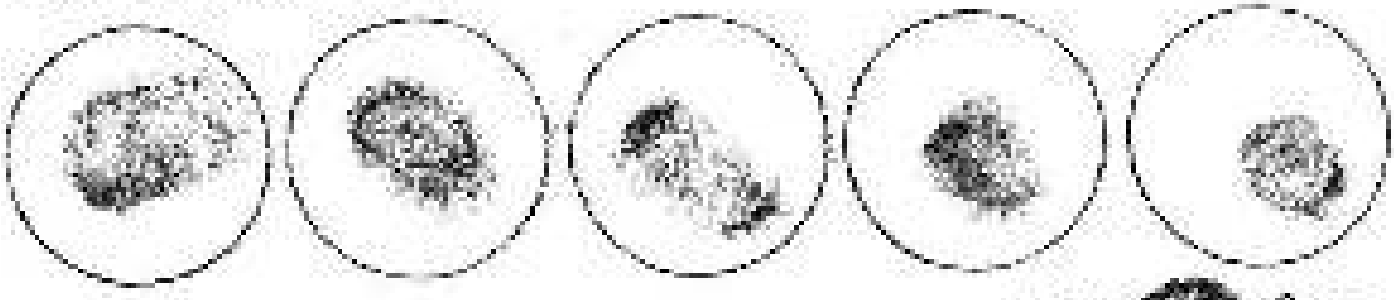

विक्रेता/क्रेता

रजिस्ट्रेशन अधिनियम - 1908 की धारा 32 - ए. के अनुपालन हेतु

फिंगर प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता - [illegible]

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

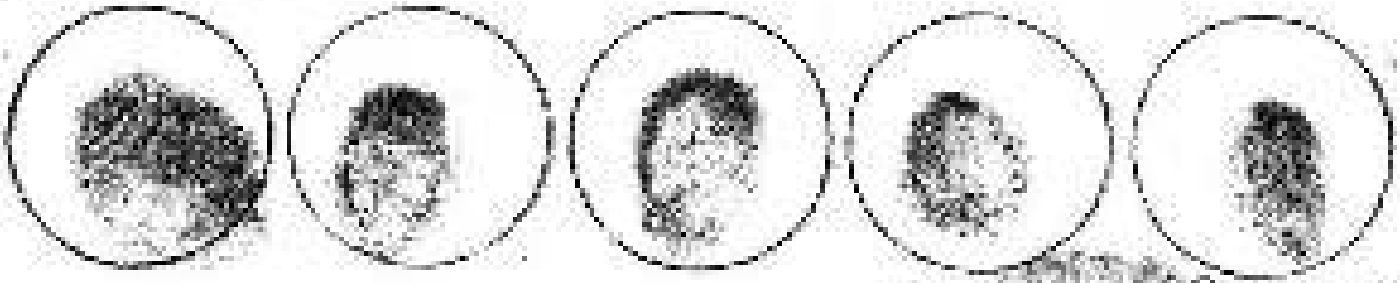

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता [illegible]

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता - [illegible]

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

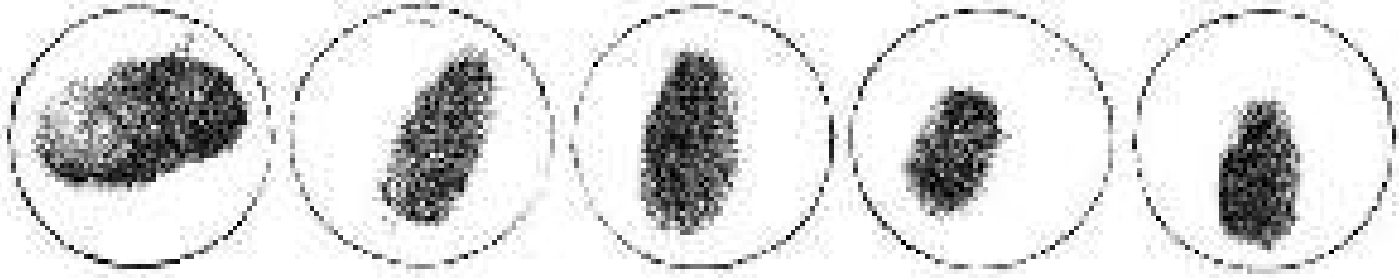

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

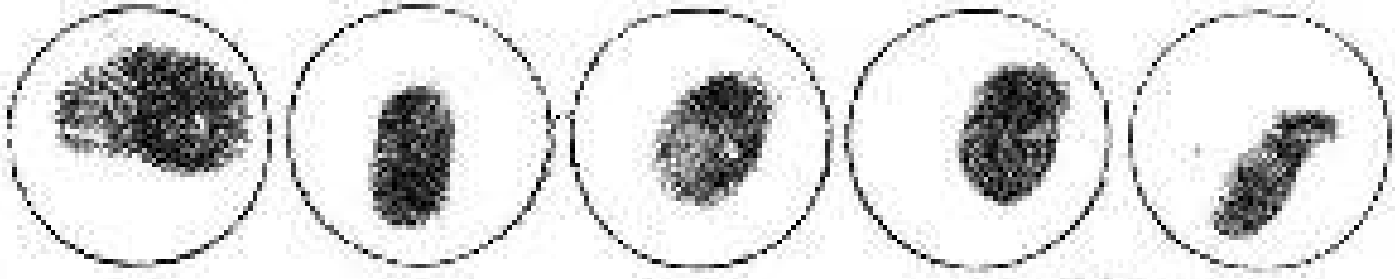

हस्ताक्षर [illegible]